निबंधन संख्या पी0टी0-40

बिहार गजट
असाधारण अंक
बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

21 आश्विन 1930 (श0)

(सं0 पटना 480) पटना, सोमवार, 13 अक्तूबर 2008

स्वास्थ्य विभाग

अधिसूचनाएं

10 अक्तूबर 2008

सं0 17/विविध1-84/07-1217(17)/भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये बिहार के राज्यपाल निम्नलिखित नियमावली बनाते हैं:-

अध्याय-1: सामान्य प्रावधान

1. **नाम, विस्तार एवं प्रारम्भ :-**

(1). यह नियमावली सिनियर रेजिडेन्ट / ट्यूटर तथा बिहार चिकित्सा शिक्षा सेवा भर्त्ती, नियुक्ति एवं प्रोन्नति नियमावली-2008 कही जायेगी ।

(2). इसका विस्तार सम्पूर्ण बिहार राज्य में होगा ।

(3). यह नियमावली बिहार राजपत्र में अधिसूचना के प्रकाशन की तिथि के प्रभाव से प्रवृत्त होगी ।

परन्तु जहाँ नियम-3 में उल्लिखित पदों में से किसी अनुशिक्षक, वरीय आवासीय चिकित्सक की विद्यमान रिक्ति के विरूद्ध भर्त्ती एवं नियुक्ति की प्रक्रिया आरंभ हो चुकी हो वहाँ पूर्व नियमावली / आदेशों के अधीन पूरी की जायगी मानों यह नियमावली प्रवर्तन में नहीं आयी हो ।

परन्तु और यह कि सरकार वर्ष 2008 के लिए पृथक पैनल तैयार करने हेतु स्वतंत्र होगी लेकिन वर्ष 2009 से समय सूची वही होगी जो संकल्प संख्या 968(17) दिनांक 31.10.1990 में प्रावधानित है ।

2. **परिभाषाएँ :- जबतक संदर्भ में अन्यथा अपेक्षित न हो, इस नियमावली में-**

(क) 'सरकार' से अभिप्रेत है ''बिहार सरकार;'' ।

(ख) 'आयोग' से अभिप्रेत है ''बिहार लोक सेवा आयोग;''

(ग) 'एम0सी0आई0' से अभिप्रेत है ''भारतीय चिकित्सा परिषद'' ।

(घ) 'चिकित्सा महाविद्यालय' से अभिप्रेत है ''राज्य की कोई भी चिकित्सा महाविद्यालय'' ।

(ड़) 'बी0सी0ई0सी0ई0बी0' से अभिप्रेत है ''बिहार संयुक्त प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा पर्षद'' ।

(च) 'स्नातकोत्तर उपाधि' से अभिप्रेत है ''भारतीय चिकित्सा परिषद अथवा राज्य सरकार द्वारा मान्यताप्राप्त एम0डी0, एम0एस0, डी0एम0, एम0सी0एच0, डी0एन0बी0 एवं समतुल्य उपाधि'' ।

अध्याय -2ः सेवा संवर्ग का संविधान

3. **बिहार चिकित्सा शिक्षा सेवा की संरचना एवं संविधानः-**

स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के चिकित्सा महाविद्यालयों एवं निदेशालय के निम्नांकित पद इसमें सम्वेष्ठित किए जायेगेः-

(क) सहायक प्राध्यापक
(ख) सह-प्राध्यापक
(ग) प्राध्यापक
(घ) चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल के अधीक्षक
(ड़) प्राचार्य
(च) राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर अधिसूचना के माध्यम से सम्मिलित किए जाने वाले कोई अन्य पद।
(छ) निदेशालय के वैसे पद जो चिकित्सा शिक्षा संवर्ग से भरे जाएगें :-

(i) (क) उप निदेशक - चिकित्सा शिक्षा
(ख) उप निदेशक - प्रशासन
(ग) उप निदेशक - प्रशिक्षण

(ii) अपर निदेशक सह परीक्षा नियंत्रक

(iii) निदेशक (चिकित्सा शिक्षा)

4. बिहार चिकित्सा शिक्षा सेवा संवर्ग बिहार स्वास्थ्य सेवा संवर्ग से अलग संवर्ग होगा ।

5. नियम-3 में वर्णित पद, जिन्हें नवगठित संवर्ग में सम्वेष्ठित किया गया है का पुनर्गठन / पुनर्निर्धारण एवं पुर्णयोजनानुसार भारतीय चिकित्सा परिषद द्वारा निर्धारित मापदण्ड के आलोक में किया जायेगा ।

अध्याय-3- सिनियर रेजिडेन्ट / ट्यूटर

6. राज्य के चिकित्सा महाविद्यालयों के सिनियर रेजिडेन्टों / ट्यूटर के पद चार वर्षीय टेन्योर शैक्षणिक पद होंगे ।

परन्तु यह कि चार वर्षीय टेन्योर कालावधि में एक वर्ष की अवधि ग्रामीण पदस्थापना में व्यतीत करनी होगी ।

टेन्योर पदों पर नियुक्ति एतद द्वारा निर्धारित निम्न माप-दण्ड / शर्त्तों के आधार पर की जाएगीः-

<u>टेन्योर पदों पर नियुक्ति की शर्त्तें</u>

प्रति वर्ष सिनियर रेजिडेन्ट / ट्यूटर के 40% पद बिहार राज्य स्वास्थ्य सेवा संवर्ग के सदस्यों से भरा जायेगा । 40% पद राज्य के चिकित्सा महाविद्यालयों से स्नातकोत्तर डिग्री पाठ्यक्रम (रेजिडेन्सी स्कीम के अन्तर्गत) पूरा किये हो तथा शेष 20% पद वैसे चिकित्सकों से भरा जायेगा जिन्होने राज्य के बाहर के मान्यता प्राप्त संस्थानों से स्नातकोत्तर डिग्री (रेजिडेन्सी स्कीम) प्राप्त किया हो । राज्य सरकार द्वारा इन पदों पर चूने जाने हेतु समय-समय पर अन्य वांछनीय माप-दण्डों के संबंध में निर्णय लिया जा सकेगा । सिनियर रेजिडेन्ट / ट्यूटर के पद के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता विषय-विशेष में स्नातकोत्तर उपाधि होगी । सुयोग्य उम्मीदवारों की कमी होने की स्थिति में न्यूनतम योग्यता को भारतीय चिकित्सा परिषद के अनुशंसा के आलोक में शिथिल किया जा सकेगा ।

नोटः-(क) सरकार को यह अधिकार होगा कि उपर्युक्त वर्णित किसी श्रेणी के पद नही भरे जाने की स्थिति में अन्य श्रेणी / श्रोतों से उपर वर्णित पदों को भरा जा सकेगा ।

(ख) कोई भी व्यक्ति यदि किसी टेन्योर पद पर नियुक्त होते है तो वे सिर्फ एक टेन्योर अवधि के लिए ही पद धारण कर सकेंगे । उक्त टेन्योर पद पर एक बार से अधिक कोई नियुक्ति नहीं हो सकेगी ।

(ग) वैसे चिकित्सक जो पूर्व में रेजिडेन्ट का टेन्योर पद धारण कर चुके हैं वे सीनियर रेजिडेन्ट के वर्त्तमान पद पर आवेदन देने के योग्य नहीं होंगे ।

(घ) यदि कोई आवेदक एक से अधिक विषयों के लिए आवेदन करेगें तो उन्हें अपनी इच्छित विषयों में प्राथमिकता व्यक्त करनी होगी ।

(ड) टेन्योर अवधि की समाप्ति के उपरान्त वैसे पदधारक जो बिहार स्वास्थ्य सेवा संवर्ग के सदस्य है, उनके द्वारा धारित टेन्योर पद स्वतः समाप्त हो जायेगा और वे अपने पैतृक संवर्ग में वापस हो जायेगें । वैसे चिकित्सक जो राज्य स्वास्थ्य सेवा संवर्ग के सदस्य नहीं है, उनकी टेन्योर समाप्ति के पश्चात् वे उस टेन्योर पद अथवा किसी अन्य पद पर लगातार बने रहने का दावा नहीं कर सकेगें जब तक कि उन्हें इस नियमावली के तहत किसी नये पद पर नियुक्त नहीं किया जाता है ।

परन्तु यह कि इस नियम के प्रवृत्त होने के पूर्व राज्य के किसी चिकित्सा महाविद्यालय में नियुक्त एवं कार्यरत सीनियर रेजिडेन्ट / ट्यूटर जिन्होंने सिनियर रेजिडेन्ट / ट्यूटर के पद पर योगदान की तिथि से 4 (चार) वर्षो की निर्धारित कलावधि पूरा कर लिये है तो उन्हें टेन्योर पूरा किया गया माना जाएगा ।

<u>माप-दण्ड (क्राईटेरिया)</u>

(i) प्रत्येक वर्ष टेन्योर पदों का विषयवार पैनल बी0सी0ई0सी0ई0 बोर्ड अथवा राज्य सरकार के निर्णियानुसार किसी अन्य संगठन द्वारा डा0 रीता सिन्हा के याचिका संख्या 9462/1989 में पारित आदेश के अनुरूप निर्धारित

समय-सीमा के अंदर तैयार किया जायेगा जिसे राज्य सरकार, स्वास्थ्य विभाग के संकल्प संख्या-968(17) दिनांक 31.10.90 द्वारा अंगीकृत किया गया है (इस नियमावली के अनुसूची -ग के अनुरूप) ।

आपसी मेधा क्रम तैयार करने हेतु अंकों का मूल्यांकन शैक्षणिक उपलब्धियों के अंकों के आधार पर बोर्ड द्वारा इस नियमावली के अनुच्छेद-"क" के अनुरूप किया जायेगा ।

(ii) पूर्व के सीनियर रेजिडेन्ट / ट्यूटर के गैर टेन्योर पद जो पैनल व्यवस्था अथवा 1997 नियमावली के प्रावधानों के तहत नियमित स्वरूप में चिकित्सक शिक्षक धारण करते है, वे पद उनके सहायक प्राध्यापक के पद पर प्रोन्नति उपरान्त ही चार वर्षीय टेन्योर पद में परिवर्तित होगे ।

(iii) जैसा उपर्युक्त नियम-3 में वर्णित है सीनियर रेजिडेन्ट / ट्यूटर के टेन्योर पद बिहार चिकित्सा शिक्षा सेवा सम्वर्ग के पद नहीं माने जायेगे ।

अध्याय-4 सेवा संवर्ग में नियुक्ति

7. **नियुक्ति** -

(i) बिहार चिकित्सा शिक्षा सेवा संवर्ग में स्थायी प्रवेश सहायक प्राध्यापक के पद पर राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर निर्धारित शर्तो एवं माप-दण्डों के अधीन होगा । राज्य सरकार द्वारा इस नियमावली के अनुसूची-ख के अनुरूप बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा तैयार किये गये पैनल से नियुक्ति की कार्रवाई करेगी ।

(ii) आयोग द्वारा निर्धारित समय सीमा के आलोक में तैयार किये गये पैनल एवं पैनल की वैधता की अवधि के आलोक में रिक्ति को भरने हेतु राज्य सरकार इस नियमावली के अनुसूची-ग के प्रावधानों का सख्ती से पालन करेगी ।

(iii) **पात्रता :-**

(क) सहायक प्राध्यापक के पद पर नियुक्ति हेतु उम्मीदवारों को विषय-विशेष में स्नातकोत्तर उपाधि एवं इसके उपरान्त तीन वर्षों का सीनियर रेजिडेन्ट/ट्यूटर के पद का शैक्षणिक अनुभव प्राप्त होना अनिवार्य होगा ।

(ख) सुपर स्पेशिलिटी विभागों / इकाईयों के लिए डी0एम0 / एम0सी0एच0 की कालावधि को उपर्युक्त उप-नियम के तहत पात्रता हेतु गणना की जायेगी ।

(ग) जिन विषयों में पूर्व की पैनेल व्यवस्था अथवा 1997 नियमावली के प्रावधानों के तहत नियुक्त सीनियर रेजिडेन्ट / ट्यूटर नियुक्त एवं कार्यरत हैं, वैसे सभी सिनियर रेजिडेन्ट / ट्यूटरों को सहायक प्राध्यापक के पद पर प्रोन्नति हेतु उतनी संख्या के पदों को कर्णांकित किये जाने के पश्चात् ही (इस नियमावली के अन्तर्गत) सहायक प्राध्यापक के पद पर नई नियुक्ति की जायेगी ।

(घ) सहायक प्राध्यापक के पद पर नियुक्ति हेतु अधिकतम उम्र सीमा अनारक्षित वर्ग के लिए 45 वर्ष, पिछड़ा वर्ग / अति पिछड़ा वर्ग के लिए 50 वर्ष, महिला (अनारक्षित, पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग) के लिए 50 वर्ष तथा अनुसूचीत जाति / अनुसूचीत जन जाति के लिए 50 वर्ष होगी । परन्तु बिहार राज्य स्वास्थ्य सेवा सम्वर्ग में कार्यरत चिकित्सकों के लिय उम्र सीमा का कोई वंधेज नहीं होगा ।

अध्याय-5ः सम्पुष्टि

8. सम्पुष्टि- सहायक प्राध्यापक के पद पर सम्पुष्टि नियुक्ति के दो वर्षों के पश्चात सहायक प्राध्यापक के रूप में संतोषप्रद सेवा के आधार पर की जायेगी ।

अध्याय-6ः प्रोन्नति

9. प्रोन्नतिः-

(क) डायनेमिक एश्योर्ड कैरियर प्रोग्रेशन योजना के तहत डायनेमिक ए0सी0पी0 वेतनमान 14,300-18,300/- तक निम्न प्रकार दी जायेगीः-

(i) वैसे चिकित्सक शिक्षक जिन्होने सहायक प्राध्यापक के पद पर छः वर्षों की नियमित सेवा पूरा कर लिया हो वे पद उत्क्रमण के साथ वित्तीय प्रोग्रेशन के लिए निम्न निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार योग्य होगें ।

(ii) वैसे चिकित्सक शिक्षक जिन्होने सह-प्राध्यापक के पद पर छः वर्षों की नियमित सेवा पूरा कर लिया हो वे पद उत्क्रमण के साथ वित्तीय प्रोग्रेशन के लिए निम्न निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार योग्य होगें ।

(iii) रूपया 14,300-18,300/- के उपर के स्तर के वेतनमान में आवश्यकता अधारित प्रोन्नति निम्न निर्धारित प्रक्रियानुसार होगी ।

(iv) डायनेमिक ए0सी0पी0 योजना तथा आवश्यकता अधारित पदों पर प्रोन्नति के लिए विकास आयुक्त की अध्यक्षता में गठित विभागीय प्रोन्नति समिति की अनुशंसा प्राप्त करना आवश्यक होगा । इन शैक्षणिक पदों पर प्रोन्नति के लिए सामान्य आवश्यकता के अतिरिक्त भारतीय चिकित्सा परिषद द्वारा निर्धारित मार्ग दर्शन एवं राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर यथा निर्धारित निदेश के आलोक में शैक्षणिक कार्य की प्रमाणिकता आवश्यक होगी ।

नोटः- उपर्युक्त प्रोन्नतियॉ तभी अनुमान्य होगी, जब की उम्मीदवार के विरूद्ध कोई आरोप पत्र निर्गत होने के उपरान्त विभागीय कार्यवाही लंबित न हो । राज्य सरकार में लागू प्रोन्नति संबंधी अन्य नियम /अनुदेश लागू रहेंगे ।

(ख) सहायक प्राध्यापक के पद से सह-प्राध्यापक के पद पर तथा सह-प्राध्यापक के पद से प्राध्यापक के पद पर नियमित प्रोन्नतियॉं वरीयता सह-मेधा के सिद्धान्त के आधार पर तथा संबंधित विशिष्टता एवं सुपर-विशिष्टता में वरीयता सह योग्यता, शैक्षणिक अनुभव आदि के आधार पर भारतीय चिकित्सा परिषद के बाध्यकारी नियमों के अनुसार प्रदान की जाएगी ।

(ग) तत्काल अनिवार्यता अथवा नियुक्त / प्रोन्नति हेतु योग्य चिकित्सकों के अभाव में राज्य सरकार द्वारा संविदा के आधार पर उक्त पदों पर सीमित अवधि के लिए वाह्य श्रोतों से नियुक्ति की जा सकेगी ।

(घ) **चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल के अधीक्षकः**- इस पद पर नियुक्ति, प्राध्यापकों के बीच से वरीयता, योग्यता एवं कार्य क्षमता के आधार पर निर्धारित प्रक्रिया का पालन करते हुए किया जायेगा । राज्य सरकार को यह विकल्प होगा की वे संवर्ग के बाहर से योग्य व्यक्ति को नियुक्त कर सकेगी, बशर्ते कि वे राज्य सरकार एवं भारतीय चिकित्सा परिषद् द्वारा निर्धारित वांछित योग्यता धारण करते हो ।

(च) **प्राचार्यः**- इस पद पर नियुक्ति प्राध्यापकों के बीच से उनकी प्राध्यापक के पद की वरीयता के आधार पर की जाएगी ।

(छ) **उप निदेशकः**- इस पद पर नियुक्ति प्राध्यापकों के बीच से उनकी प्राध्यापक के पद की वरीयता के आधार पर की जाएगी ।

(ज) **निदेशक / अपर निदेशक-सह-परीक्षा नियंत्रकः**- इस पद पर नियुक्ति प्राचार्यों / उप निदेशकों / प्राध्यापकों की वरीयता के आधार पर की जाएगी ।

<u>अध्याय-7: विविध</u>

10. **सुपर स्पेशालिटी** :- चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पतालों में सिर्फ उन्हीं विषयों के लिय सुपर स्पेशालिटी विभाग / इकाई स्थापित की जायेगी जिन विषयों के लिए विधिवत अनुशंसा भारतीय चिकित्सा परिषद के बाध्यकारी नियमो द्वारा की गई है ।

सुपर स्पेशालिटी विषयों के शैक्षणिक पदों के धारक उच्चतर शैक्षणिक पदों पर प्रोन्नति हेतु उसी सुपर स्पेशालिटी में भारतीय चिकित्सा परिषद के अनुसंशाओं के तहत विचारणीय होंगे ।

सुपर स्पेशालिटी इकाई, जो स्वतंत्र विभाग के रूप में कार्यरत नहीं है, वह संबंधित पैत्रिक विभाग के प्रशासनिक नियंत्रण में कार्य करेगी ।

11. **वरीयताः**- वैसे प्रोन्नत प्राध्यापक जो संबंधित विषय में एक ही तिथि को प्रोन्नत हुये है की आपसी वरीयता प्रोन्नत पद के ठीक नीचे के पद यथा सह-प्राध्यापक के पद की वरीयता के आधार पर निर्धारित की जाएगी एवं उसी प्रकार सह प्राध्यापकों की आपसी वरीयता इसके ठीक नीचे के पद अर्थात सहायक प्राध्यापक के पद की वरीयता के आधार पर निर्धारित की जायेगी ।

सहायक प्राध्यापको की पारसपरिक वरीयता पैत्रिक स्पेशलिटी और सुपर स्पेशलिटी विषयों के लिए अलग-अलग होगी । सहायक प्राध्यापको की वरीयता उनके अधिसूचना की तिथि से प्रभावी होगी वशर्ते की उन्होने उस अधिसूचना के आलोक में योगदान किया हो ।

12. **आरक्षणः**-इन पदों के लिए राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर निर्धारित आरक्षण व्यवस्था लागू होगा ।

13. **स्थानान्तरणः**- इस नियमावली के तहत शैक्षणिक संवर्ग के सदस्यों का स्थानान्तरण राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर निर्धारित नीति/नियम / निदेश के आलोक में की जायेगी ।

14. **निरसन एवं व्यावृत्तिः**- इस नियमावली के प्रवृत्त होने की तिथि से बिहार चिकित्सा शिक्षा सेवा संवर्ग एवं इसके संवर्गीय पदों पर भर्ती नियमावली, 1997 निरसित समझी जायेगी । ऐसा निरसन के होते हुए भी 1997 की उक्त नियमावली के अन्तर्गत किए गये कार्य पदधारक के हित के विरूद्ध किसी प्रकार भूतलक्षी प्रभाव से बदले, संशोधित या परिवर्तित नहीं माने जाएगे ।

बिहार राज्यपाल के आदेश से,

दीपक कुमार,

सरकार के सचिव ।

चिकित्सा शिक्षा संवर्ग के पदों का वेतनमान

1.	सहायक प्राध्यापक	- 10000-15200/- रूपये प्रति माह	इन सभी पदों के वेतनमान पूर्ववत ही है ।
2.	सह प्राध्यापक	- 12000-16500/- रूपये प्रति माह	
3.	प्राध्यापक	- 14300-18300/- रूपये प्रति माह	
4.	प्राचार्य	- 14300-18300/- रूपये प्रति माह	
5.	अधीक्षक	- 14300-18300/- रूपये प्रति माह	
6.	उप निदेशक	- 14300-18300/- रूपये प्रति माह	
7.	अपर निदेशक	- 14300-18300/- रूपये प्रति माह	
8.	निदेशक	- .... पद सृजन के समय इस पद के वेतनमान पर विचार किया जायेगा ।	

जमीरूद्दीन अंसारी,
सरकार के संयुक्त सचिव ।

HEALTH DEPARTMENT

NOTIFICATION
10th October 2008

No 17/विविध1-84/07-1217(17)/—In exercise of powers conferred under proviso to Article 309 of the Constitution of India, the Governor of Bihar is pleased to make the following rules:-

Chapter : 1 – General Provisions

1. **Title, Jurisdiction and Commencement:**
(1) These rules shall be called as Senior Resident, Tutor and Bihar Medical Education Service Cadre Recruitment, Appointment and Promotion Rules, 2008.
(2) It shall extend to the whole of the State of Bihar.
(3) These Rules shall come into force with effect from the date of publication of Notification in the Bihar Gazette.

Provided that where process of recruitment and appointment against existing vacancy of Senior Resident, Tutor of any of the post enumerated in Rule-3 has commenced with issuance of advertisement, it shall be completed under earlier Rules/Orders as if these Rules have not come into force.

Provided further that it shall be open to the Government to prescribe separate time schedule for the year 2008 for preparation of panel, but from 2009 time schedule as prescribed in resolution No. 968(17) dated 31.10.1990 shall have to be adhered to.

2. **Definitions** – In these rules, unless the context otherwise requires :-
(a) Government means "Government of Bihar".
(b) Commission means "Bihar Public Service Commission".
(c) M.C.I. means the "Medical Council of India".
(d) Medical College means any of the "State Medical Colleges".
(e) B.C.E.C.E.B. means "Bihar Combined Entrance Competition Examination Board".
(f) Post Graduate qualification means duly recognized post-graduate qualifications like M.D., M.S., D.M., M.Ch, D.N.B. and equivalent degrees recognized as such by the M.C.I. or the State Government.

Chapter -2 - Constitution of Services Cadre

3. Structure and Constitution of Bihar Medical Education Services Cadre:
The following posts of Medical Colleges and Directorate in the Department of Health and Medical Education will comprise of Bihar Medical Education Service Cadre:-
(a) Assistant Professor
(b) Associate Professor
(c) Professor
(d) Medical College Hospital Superintendent
(e) Principal
(f) Any other post which may be included in the cadre by issuance of notification by the State Govt. from time to time;
(g) Posts of Directorate to be filled from the Medical Education Cadre.
(i) (a) Deputy Director - Medical Education
(b) Deputy Director - Administration

(c) Deputy Director - Training
(ii) Additional Director- cum- Controller of Examinations.
(iii) Director (Medical Education).

4. Bihar Medical Education Service cadre shall be separate service cadre from the Bihar Health Services Cadre.

5. The posts described in Rule-3 above, which are included in the newly created cadre, may be reorganized/re-fixed or rescheduled as per the criteria laid down by the Medical Council of India.

Chapter -3 - Senior Resident/Tutor

6. The posts of Senior Resident / Tutor in the Govt. Medical Colleges will be tenure teaching posts of four years duration.

Provided that out of tenure of four years, one year shall have to be spent on rural posting. Appointment on the tenure posts shall be done on the basis of criteria/conditions laid down hereafter.

Conditions of appointment to tenure posts-

Each year 40% posts of Senior Resident/Tutor will be filled in from the members of Bihar State Health Service, 40% posts will be filled in from among the Doctors who have completed the P.G. Course (Under Residency Scheme) from the State Medical Colleges and remaining 20% posts of Senior Resident/Tutor from among the doctors who have obtained the P.G. Degree (Residency Scheme) from the recognized institutes outside the State. The State Govt. may take a decision regarding other eligibility criteria from time to time. The minimum educational qualification for the post of Senior Resident/Tutor will be a post graduate degree in the concerned subject. In case of non availability of suitable candidates minimum educational qualifications can be relaxed as per the recommendation of M.C.I.

Note– (a) The Govt. will be empowered to fill in the above described posts of one category from other category/source if any of the aforesaid posts are not filled in.

(b) Any person, if appointed to any tenure post can hold the post of one term only. There can not be any appointment on the same tenure post for more than one term,

(c) Those who have earlier at any time held the tenure post of Resident shall not be eligible to apply for the present post of Senior Resident.

(d) In case of an applicant applying in more than one subject, he must state his preference in order of his choice of subject.

(e) After expiry of the tenure period, the holders of the post, who are members of the Bihar State Health Service Cadre, will automatically cease to be a holder of the tenure post and shall revert back to the parent cadre. Those doctor who are not members of the Bihar State Health Service Cadre, on completion of their tenure, shall cease to hold the post and shall have no claim for continuing in the said tenure post or any other post unless they are appointed afresh to any post in accordance with these Rules.

Provided that Senior Resident/Tutors already appointed and working in any State Medical Colleges prior to coming into force of these rules shall be deemed to have completed their tenure on completion of four years counted from the date of joining the post of Senior Resident/Tutor.

Criteria –

(i) The panel shall be prepared every year for the tenure posts subject–wise by the BCECE Board or any other organisation decided by the Govt. in accordance with the time schedule as decided in Dr. Rita Sinha's case being CWJC No. 9462/1989 and duly adopted by the State Govt. under Health Deptt. Resolution no. 968(17) dated 31.10.90 (vide Annexure 'C' to this Rule).

The evaluation of points for preparation of inter-se-merit position shall be done by the Board on the basis of academic achievements as given in Annexure –A to this rule.

(ii) The previous non-tenure post of Senior Residents/Tutors held by Medical Teachers under the panel system and as per the provisions of 1997 rules on regular basis shall be deemed to be vacant after they are promoted as Assistant Professors and then only these posts would stand converted to tenure posts of four years duration.

(iii) The tenure posts of Sr. Residents/Tutors will not considered to be the posts of Medical Education Cadre as defined in Rule 3 above.

Chapter -4- Appointment in the Service Cadre

7. **Appointment -**

(i) Permanent entry into the Bihar Medical Education Service Cadre shall be on the post of Assistant Professor as per conditions and criteria laid down by the State Government from time to time. The State Government shall make appointments to this post from a panel prepared by the Bihar Public Service Commission in accordance with the procedure laid down in Annexure–B to this Rule.

(ii) Time schedule in respect of preparation of panel by the Commission and validity of the period of panel vis-à-vis the vacancy to be filled up the Government will be strictly followed as laid down in Annexure–C to this rule.

(iii) **Eligibility –**

(a) For appointment to the post of Assistant Professor, it shall be essential for the candidates to have P.G. Degree in specified subject and three years teaching experience as Senior Resident or Tutor in specified subject after post graduation.

(b) In superspeciality department/units the duration of DM/MCh degree course shall be counted against the eligibility period as prescribed in the sub-rule-above.

(c) In those subjects, where Senior Resident/Tutor appointed under earlier panel system or as per provision of the 1997 Rules, are working, new appointment (under this rule) to the post of Assistant Professor shall be made after earmarking that much number of posts for promotion for all such working Senior Resident/Tutors.

(d) The maximum age limit for entry into Assistant Professor for those belonging to unreserved category will be 45 yrs, for Backward and Extremely Backward Classes -50 yrs., for Women (Unreserved, Backward and E.B.Cs) 50 yrs. and for Scheduled caste and Scheduled Tribes 50 yrs. However there will be no age bar for doctors already serving in the health cadre of the State of Bihar.

Chapter -5 – Confirmation

8. **Confirmation: -** Confirmation on the post of Assistant Professor will be done after two years of satisfactory service as Assistant Professor.

Chapter 6: Promotions

9. Promotions:

a. **Dynamic ACP**: Promotions up to the level of Pay scale 14,300-18,300 would be done under the Dynamic Assured Career Progression Scheme as follows:

(i) Teachers completing six years of regular service on the post of Assistant Professor would be eligible for financial progression, along with post up-gradation, in accordance with the procedure prescribed below.

(ii) Teachers completing six years of regular service on the post of Associate Professor would be eligible for financial progression, along with post up-gradation, in accordance with the procedure prescribed below.

(iii) Promotions above the level of Pay scale 14,300-18,300 would be need based in accordance with the procedure prescribed below.

(iv) For promotions under the dynamic ACP scheme or under the need based post system, recommendation of the Departmental Promotion Committee, constituted under the Chairmanship of the Development Commissioner, would be essential. For promotions against the teaching positions, evidence of academic work in accordance with the MCI guidelines would be essential in addition to the usual requirements prescribed by the Government from time to time.

Note:- Those promotions will be permissible if there is no pending disciplinary proceeding after issuance of charge- sheet against the candidates. Other rules and regulation for promotion in State Govt. will also be applicable.

b. Regular Promotion from the post of Assistant Professor to the post of Associate Professor and from Associate Professor to Professor will be given in their respective speciality and superspeciality concerned by taking into account the Principle of Seniority cum merit, teaching experience etc. in accordance with the mandatory regulation of the Medical Council of India.

c. In case of exigency or non-availability of suitable doctors to be appointed /promoted on the aforesaid posts, the Government can make appointment on contract basis for a limited period from outside sources.

d. **Medical College Hospital Superintendent**: Appointment to this post will be made from amongst Professors, on the basis of seniority, merit and work efficiency following the prescribed procedure. The Government will have an option to appoint a suitable person from outside the cadre if he possesses the requisite qualifications as prescribed by the Government and the MCI.

e. **Principal**: Appointment to this post will be made from amongst the Professors, on the basis of their seniority, as Professor.

f. **Deputy Director**: Appointment to this post will be made from amongst the Professors, on the basis of their seniority, as Professor.

g. **Director/Additional Director-cum-Controller of Examination**: Appointment to this post will be made from amongst the Principals /Deputy Directors / Professors on the basis of their seniority.

Chapter -7 - Miscellaneous

10. **Superspeciality** – Only those subjects which stand duly recommended by the M.C.I in their mandatory recommendation can be established as superspeciality department or unit in a Medical College / Hospital.

    The holders of the teaching posts of superspeciality subject will be entitled to be considered for promotion to the higher teaching posts in their respective superspeciality as per recommendation of MCI.

    Superspeciality units which are not functioning as independent departments will function under the administrative control of the parent department concerned.

11. **Seniority -** The inter-se seniority of Professors in their respective subject if promoted on the same date will be decided on the basis of their inter-se seniority post in next below rank i.e. Associate Professor and similarly the inter-se seniority of Associate Professor in the next below rank i.e. Assistant Professor.

    The inter-se seniority of Assistant Professor in parent speciality and superspeciality subject will be decided separately on the basis of their seniority as Assistant Professor from the effective date of notification provided they have joined, pursuant to such notification.

12. **Reservation:** Reservation shall be provided against these posts as applicable in the State Government from time to time.

13. **Transfers**: Transfers of the members of teaching cadre under these Rules shall be done in accordance with policy/rules/directions as laid down by the Government from time to time.

14. **Repeal and Savings:-** With effect from the date of this Rule, the Bihar Medical Education Care and Appointment on Cadre Post Rule, 1997 shall stand repealed. Notwithstanding such repeal, anything done or any action taken under the provisions of the 1997 Rule shall in no way be varied, modified or altered to the disadvantage of the holder of post retrospectively.

By order of the Governor,
Sd/Illigible,
Secretary to Government,
Health Department.

Pay Scale of Medical Education Cadre

1-	Assistant Professor	- 10000-15200/- Rs. Per Month	The pay scale of these posts are remain as it is
2-	Assosiate Professor	- 12000-16500/-Rs. Per Month	
3-	Professor	-14300-18300/-Rs. Per Month	
4-	Principal	- 14300-18300/-Rs. Per Month	
5-	Superintendent	-14300-18300/-Rs. Per Month	
6-	Deputy Director	-14300-18300/-Rs. Per Month	
7-	Additional Director	-14300-18300/-Rs. Per Month	
8-	Director	- ---------- -------	The pay scale will be considered at the time of creation of post

Zamiruddin Ansari,
Joint Secretary of Govt.

Annexure-A

CRITERIA FOR APPOINTMENT OF SENIOR RESIDENTS/ TUTOR AT THE MEDICAL COLLEGE / HOSPITAL

1 Evaluation of marks as indicated below will be allotted for determining the comparative merits of candidates:

	Above 70%	Above 65%	Above 60%	Above 55%	Above 50%
(a) Aggregate of marks obtained at the three MBBS University Examinations	**5** point	**4** point	**3** point	**2** point	**1** point

Note: In case of failures in one or more MBBS Examinations, the aggregate of marks for the particular MBBS Examination shall be calculated by obtaining the mean of the failure and the success marks in the concerned subjects.

	Above 70%	Above 65%	Above 60%	Above 55%	Above 50%
(b) Marks obtained in the subject of the speciality, or subject group applied for as per recommendations of Medical Council of India.	**5**	**4**	**3**	**2**	**1**

Note : In case of any failure in the subject of speciality or speciality group applied for the mean of the failure and the success marks obtained in the concerned subject.

(C)	Honours in the subjects or subjects group as defined in the recommendation of Medical Council of India, for which applications are being considered .	2 Marks
(d)	Honours in other subjects	1 Mark for honours in each other subject
(e)	One or more diploma in speciality	1 Mark
(f)	M.D. / M.S. in the speciality.	4 Marks
(g)	M.S. or M.D. with Ph.D in the same speciality	6 Marks.
(h)	No additional marks will be given for repetition of the same Diploma / Degree from any other Board or Universities .	

No marks will be allotted for MRCP/ FRCS etc., which have been obtained in 1997 and onwards.

2. One mark shall be deducted for each failure at any of the University MBBS Examinations candidates who have failed for more than three occasions in these examination shall not be eligible.

3. Minimum qualifying marks for appointment shall be 8 (eight).

4. A candidates who has been appointed as Tutor / Resident or Senior Resident will be eligible again for the post of Senior Resident / Tutor in any subject.

Annexure-B

CRITERIA FOR APPOINTMENT OF ASSISTANT PROFESSOR AT MEDICAL COLLEGE

1. Assistant Professor being the first permanent teaching posts, selection is to be made very carefully.
2. Officers of the State Health Service who have already served as Resident / Sr. Residents / Tutors for minimum three years in teaching hospitals recorgnised by the Medical Council of India shall be eligible to apply for the post of Assistant Professor.
3. Candidates will be allotted valuation marks as indicated below for determining their comparative merits :-

		Above 70%	**Above 65%**	**Above 60%**	**Above 55%**	**Above 50%**
(a)	Aggregate of marks obtained at the three MBBS University Examinations	**5**	**4**	**3**	**2**	**1**

Note: In case of failures in one or more MBBS Examinations, the aggregate of marks for the particular MBBS Examination shall be calculated by obtaining the mean of the failure and the success marks in the concerned subjects.

		Above 70%	**Above 65%**	**Above 60%**	**Above 55%**	**Above 50%**
(b)	Marks obtained in the subject of the speciality, or subject group applied for as per recommendations of Medical Council of India.	**5**	**4**	**3**	**2**	**1**

Note : In case of any failure in the subject of speciality or speciality group applied for the mean of the failure and the success marks will be deemed to be the marks obtained in the subject.

(C)	Honours in the subjects or subjects group as defined in the recommendation of Medical Council of India, for which applications are being considered .	2 Marks
(d)	Honours in other subjects	1 Mark for each other subject
(e)	One or more diploma in speciality	1 Mark
(f)	M.D. / M.S. or qualification deemed to be at par by the Medical Council of India in the speciality.	4 Marks
(g)	M.D. or M.S. or qualification deemed to be at par by the Medical Council of India, in the Speciality, and another M.D. or M.S. or qualification deemed to be at par by the Medical Council of India or Ph.D. in any other subject of the Speciality Group.	6 Marks

N.B. No marks will be allotted for the U.K degrees such as M.R.C.P., F.R.C.S. etc., which has been obtained in 1977 and onwards.

4. One mark should be deducted for each failure at any of the three MBBS University Examinations. Candidates who have failed or more than three occasions in the examination shall not be eligible.

5. Additional marks to a candidate will be allotted as indicated below for original publication as principal author in Recognized Journals as detailed below. A candidate will be treated to be the Principal author of a publication if he /she produces a certificate to this effect from the Professor –in-charge or Head of the Department of the subject under whom he/ she has prepared the paper.

(a) 1(One) marks for each publication in a Bihar State Medical Journal subject to a maximum of 2(Two) marks.

(b) 2(Two) marks for each publication in an All India Medical Journal which is the official organ of an All India Society or an Association or a Foreign Medical Journal which is the official organ of a similar national or international Society or association, subject to a maximum of 10 marks.

6. To be eligible for appointment as a Assistant Professor a candidate should have a minimum of 10 point.

ANNEXURE-C

स्वास्थ्य चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग ।

संकल्प

10 अक्तूबर 2008

विषयः- **राज्य के चिकित्सा महाविद्यालयों एवं संबंद्ध अस्पतालों में कनीय शैक्षणिक पदों पर पदस्थापन हेतु पैनल तैयार करने के लिए विज्ञापन निकालने के संबंध में कार्यकम निर्धारण ।**

माननीय उच्च न्यायालय पटना के द्वारा याचिका संख्या-9462/90 में पारित आदेश के आलोक में सरकार ने विभिन्न मेडिकल कॉलेजों में कनीय शैक्षणिक पदों पर नियुक्ति हेतु प्रति वर्ष पैनल तैयार करने के लिए एवं इसके लिए विज्ञापन निकालने के लिए निम्नांकित समय सारणी निर्धारित किया है :-

(1) विज्ञापन प्रतिवर्ष 31 दिसम्बर तक निकाला जायेगा यानि 1991 वर्ष के पैनल के लिए 31.12.90 तक विज्ञापन निकाला जायेगा ।

(2) योग्यता निर्धारण तथा आवेदन पत्र देने का अन्तिम तिथि प्रतिवर्ष 31 जनवरी होगी । 1991 वर्ष के पैनल के लिए योग्यता निर्धारित करने तथा आवेदन देने की अंतिम तिथि 31.01.91 होगी ।

(3) सभी औपचारिकताओं का निर्वाह करते हुए पैनल 31 दिसम्बर तक अधिसूचित कर दी जायेगी । जैसे 1991 पैनल सभी औपचारिकताओं को पूरा करने के पश्चात 31.12.91 तक अधिसूचित कर दिया जायेगा ।

(4) अगले वर्ष की पहली जनवरी से 31 दिसम्बर तक की रिक्ति उक्त पैनल से भरा जायेगा जैसे 1991 पैनल से 01.01.92 से 31.12.92 तक होने वाली रिक्तियों को भरा जायेगा ।

(5) उपर्युक्त समय सारिणी (कार्यकम)1992 के पैनल तथा भविष्य के सभी वर्षों के लिए इसी प्रकार लागू माना जायेगा ।

माननीय पटना उच्च न्यायालय के आदेश के आलोक में 1990 का पैनल 31.12.90 तैयार कर अधिसूचित किया जायेगा और उक्त पैनल से 31.03.90 से 31.12.91 तक होने वाले रिक्तियों को भरा जायेगा ।

आदेशः- आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प का प्रकाशन बिहार राजपत्र में किया जाय ।

बिहार राज्यपाल के आदेश से,
अंजनी कुमार सिंह,
सरकार के अपर सचिव ।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय, बिहार
पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।
बिहार गजट (असाधारण) 480-571+1000-डी0टी0पी0।